दिनांक 20/3/23 को भाकृअनुप-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई का

16 वां दीक्षांत समारोह

भाकृअनुप-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई का सोलहवां दीक्षांत समारोह सोमवार दिनांक 20 मार्च, 2023 को नवीन परिसर, पंच मार्ग वर्सोवा, अंधेरी वेस्ट, मुंबई में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह मे कुल 50 पीएच.डी. और 94 एम.एफ.एससीछात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु पाठक, एफएनए, एफएनएएससी, एफएनएएएस, एफएवीएच, एफएएससीटी, सचिव, डेयर और महानिदेशक, आईसीएआर थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में आईसीएआर के उप महानिदेशक (वित्तीय) डॉ. जॉय कृष्णा जेना और पूर्व निदेशक भी शामिल थे।

दीक्षांत समारोह एक शानदार और भव्य शैक्षणिक जुलूस के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद संस्थान के संकाय और कर्मचारियों द्वारा मंगलाचरण गीत गाया गया। प्रमाण पत्र वितरण के साथ-साथ यूनिवर्सिटी टॉपर, डिविजनल और डिसिप्लिन टॉपर्स को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल और पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

पुरस्कारों में डॉ. सी.वी. बैच के ओवरऑल टॉपर के लिए कुलकर्णी गोल्ड मेडल, विषयगत टॉपर्स के लिए डॉ. हीरालाल चौधरी गोल्ड मेडल (नंबर 11), फिशरीज इकोनॉमिक्स डिसिप्लिन के टॉपर के लिए डॉ. एमए उपारे गोल्ड मेडल, डॉ. बी.एन. फिशरीज एक्सटेंशन डिसिप्लिन के टॉपर के लिए शर्मा गोल्ड मेडल, एईएचएम डिवीजन के टॉपर के लिए प्रो. रवींद्रनाथ क्रोथापल्ली गोल्ड मेडल, फिश जेनेटिक्स के टॉपर के लिए माधवप्रसाद एस. जहांगीरदार जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग गोल्ड मेडल प्रदान किया गया ।

निदेशक/कुलपति, भाकृअनुप-के मा शि सं, मुंबई डॉ. रविशंकर सी. एन. ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और अपनी रिपोर्ट में संस्थान की शैक्षणिक और अनुसंधान उपलब्धियों का उल्लेख किया। निदेशक महोदय ने मछली के आनुवंशिक सुधार, प्रजाति विविधीकरण, जलीय पशु रोगजनकों के लिए टीके, समुद्री भोजन सुरक्षा और गुणवत्ता परीक्षण, लार्वा फ़ीड, गैर-पारंपरिक फ़ीड सामग्री के उपयोग और न्यूट्रास्यूटिकल्स से संबंधित उपलब्धियों को स्वीकार किया; तटीय प्रदूषण की निगरानी और उपचार; अपशिष्ट उपयोग; मूल्यवर्धित मछली उत्पादों का विकास; एक मोबाइल ऐप; आदि मुख्य उपलब्धियों का उल्लेख किया ।उन्होंने आईसीएआर-सीआईएफई के पूर्व छात्रों की भारत और विदेशों में वैज्ञानिकों, उद्यमियों और नीति निर्माताओं के रूप में अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने की उपलब्धियों की भी सराहना की।

डॉ हिमांशु पाठक ने सभा को संबोधित किया और डिग्री प्राप्त करने वालों को बधाई दी। उन्होंने उल्लेख किया कि "मत्स्य पालन लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है और भविष्य में यह क्षेत्र दुनिया की बढ़ती हुई जनसंख्या की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसलिए इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने एक अलग मत्स्य मंत्रालय का गठन किया है। मंत्रालय ने 2019-20 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) शुरू की है, जिसका उद्देश्य मछली उत्पादन में वृद्धि करना है। नवाचारों और आधुनिक तकनीक को अपनाने के माध्यम से, मछली की सुरक्षा और गुणवत्ता में सुधार, फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे का विकास और मछली मूल्य श्रृंखला का आधुनिकीकरण हुआ है । डॉ. पाठक ने अंतर्देशीय लवणीय जलीय कृषि के लिए ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास में आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।

डॉ. पाठक ने अपने भाषण में, सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं, उनके माता-पिता, शिक्षकों और संस्थान के कुलपति को उनके अथक प्रयासों और छात्रों को तैयार करने के लिए किए गए बलिदान के लिए बधाई दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर दिया कि आज शिक्षा विकास के सबसे महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरी है और इसलिए यह शिक्षित व्यक्ति की जिम्मेदारी बन जाती है कि वह पूरे समुदाय के ज्ञान के विकास को और बढ़ाने के लिए दूसरों को ज्ञान वितरित करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया को 2050 तक अधिक भोजन की आवश्यकता है। इसलिए, मत्स्य अनुसंधान और शिक्षा महत्वपूर्ण होगी। मछली पालन का विस्तार, उत्पादकता में वृद्धि, विपणन में सुधार और जलीय भोजन के उत्पादन और खपत को बढ़ाने के लिए नवीन अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रम की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

Welcome Address
DR. RAVISHANKAR C.N
DIRECTOR AND VICE CHANCELLOR
ICAR-CIFE, MUMBAI
ICAR-CIFE
XVI Convocation
20 March, 2023